



# अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के विशेष सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का अध्ययन

शारदा सोनी

सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र  
शासकीय महाविद्यालय रैगोंव, सतना

## शोध सारांश –

इस शोध पत्र में शोधार्थिया ने जनजातीय महिलाओं के विशेष संदर्भ में नई शिक्षा नीति 2020 का अध्ययन किया है। शोधार्थिया ने यहां मुख्यता दो विषयों पर ध्यान केंद्रित किया है। पहला शिक्षा, मानव के लिए इसका महत्व तथा जनजातीय महिलाओं के लिए शिक्षा की विशेष आवश्यकता दूसरा नई शिक्षा नीति 2020 में जनजातीय महिलाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उपायों जैसे –समग्र व समावेशी शिक्षा स्थानीय भाषाओं में शिक्षा के प्रोत्साहन द्वारा भाषाई बाध्यता को खत्म करना शिक्षा को व्यवसाय से जोड़ना आदि शामिल है। शोधार्थिया ने यहां पाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के विविध स्तंभों यथा शिक्षक तथा शिक्षार्थी के विविध आयामों में वर्तमान आवश्यकता के अनुसार विकास की चर्चा की गई है एवं समस्त समस्याओं और चुनौतियों के विपरीत समग्र एवं समावेशी शिक्षा के द्वारा असीम संभावनाओं की ओर बढ़ते हुए भारत को पुनः इसके गौरव को अक्षुण्ण रखने के लिए कटिबद्ध एवं प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

## सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- [1].Chaudhuri, M. (2006). Tribal women: Changing spectrum in India. New Delhi: Concept Publishing Company.
- [2].Chauhan, P. S. (Ed.). (2014). Tribal women and development: A comprehensive appraisal. New Delhi: MD Publications.
- [3].Siva Raju, S., & Chauhan, P. S. (Eds.). (2017). Empowering women in tribal communities. New Delhi: MD Publications.
- [4].[https://www.education.gov.in/sites/upload\\_files/mhrd/files/New\\_Education\\_Policy\\_2020\\_English.pdf](https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/New_Education_Policy_2020_English.pdf)
- [5].Ojha, A. K. (2009). Women in tribal societies. New Delhi: Discovery Publishing House.